मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

-::परीक्षा योजना::-

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर परंपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. <u>अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ</u>

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. <u>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।</u>

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–हिन्दी

इकाई – 1

हिन्दी भाषा – उद्भव, विकास और स्वरूप –

- हिंदी भाषा का उद्भव एवं अपभ्रंश के क्षेत्रीय रूप।
- हिंदी प्रदेश उपभाषाएँ तथा बोलियाँ – अवधी, ब्रज, बघेली, मालवी, बुंदेली का परिचय, क्षेत्र एवं साहित्यिक योगदान।
- खड़ी बोली का साहित्यिक स्वरूप एवं विकास, सरस्वती तथा अन्य साहित्यिक पत्रिकाओं की भूमिका।
- हिंदी के प्रचार–प्रसार हेतु किए गए प्रयास एवं संस्थाओं की भूमिका। स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की भूमिका।
- देवनागरी लिपि का विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई – 2

हिंदी भाषा के विविध रूप –

- हिंदी का मानकीकरण, मानक हिंदी के विविध रूप, मानक हिंदी की प्रमुख शैलियाँ।
- हिंदी भाषा के विविध रूप संपर्क भाषा, माध्यम भाषा।
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा।
- हिंदी की संवैधानिक स्थिति एवं हिंदी का वर्तमान परिदृश्य।
- कंप्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।

इकाई – 3

हिन्दी साहित्य का इतिहास –

- भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी साहित्य का स्थान।
- हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्य इतिहास के प्रमुख आधार।
- हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन, नामकरण, नामकरण की प्रमुख समस्याएँ।
- आदिकाल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि और उसका साहित्य पर प्रभाव।
- आदिकाल का जैन साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य, प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख कवि।

इकाई – 4

हिंदी कविता का भक्तिकालीन साहित्य –

- भक्तिकाल की साहित्यिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्तिकाल की प्रमुख धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ – निर्गुण धारा– ज्ञान मार्गी, प्रेम मार्गी, सगुण धारा– राम भक्तिधारा, कृष्ण भक्तिधारा।
- संतकाव्य परंपरा – वैचारिक आधार, सामाजिक अवदान, प्रमुख संत कवि, कबीर, दादू एवं नानक का समाज दर्शन, भक्तिभावना, रहस्य भावना और प्रासंगिकता।
- सूफी काव्य परंपरा –प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफीं साहित्य का सामाजिक अवदान एवं प्रमुख कवि – जायसी, कुतुबन एवं मंझन।
- सगुण काव्य परंपरा– राम भक्तिधारा, हिंदी का राम काव्य, तुलसीदास की भक्तिभावना, समन्वय भावना, तुलसी की रामराज्य की परिकल्पना, तुलसी साहित्य की सामाजिक उपादेयता, तुलसी की लोकमंगल दृष्टि। कृष्ण भक्तिधारा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि, गीतिकाव्य परंपरा और हिंदी कृष्ण काव्य, सूरदास की भक्ति भावना, वात्सल्य वर्णन, भ्रमरगीत सार का महत्व। कृष्ण भक्तिधारा के विभिन्न संप्रदाय – निम्बार्क, राधावल्लभ, हरिदासी, पुष्टिमार्ग।
- रचनाएँ – कबीर ग्रंथावली, संपादक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, साखी/पद संख्या 160 से 210 तक। जायसी ग्रंथावली, संपादक रामचन्द्र शुक्ल – नागमती वियोग वर्णन

  गोस्वामी तुलसीदास– रामचरित मानस बालकाण्ड– (गुरु–वंदना, संत–वंदना, जीव–वंदना, रामभक्तिमयी कविता की वंदना, नाम महिमा)

  अयोध्याकाण्ड– (श्रीराम–भरत संवाद, चित्रकूट भ्रमण, श्रीराम का भरत को पादुका देकर भरत की विदाई),

  अरण्यकाण्ड– (शबरी पर कृपा, नवधा भक्ति उपदेश),

  किष्किन्धाकाण्ड– (वर्षा ऋतु एवं शरद ऋतु वर्णन)

  सुंदरकाण्ड–(विभीषण का भगवान राम की शरण में जाना, रावण का दूत भेजना, लक्ष्मण द्वारा रावण को पत्र भेजना)

  लंकाकाण्ड– (सुबेल पर्वत पर श्रीराम और चंद्रोदय वर्णन),

  उत्तरकाण्ड– (राम राज्य वर्णन), (गरुड़जी के सात प्रश्न और भजन महिमा)

  सूरदास – भ्रमरगीत सार, संपादक – रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 20 से 70 तक)

इकाई–5

हिंदी कविता का रीतिकालीन साहित्य –

- रीतिकाल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक पृष्ठभूमि, रीति शब्द की व्याख्या, रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ, रीतिकाल का मुक्तक एवं प्रबंध काव्य।
- रीतिबद्ध काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि – केशव, चिंतामणि, पद्माकर, सेनापति।
- रीतिसिद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि – बिहारी ।
- रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि – घनानंद, आलम, बोधा, ठाकुर एवं राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि – भूषण।
- रचनाएँ – केशव – रामचंद्रिका से अंगद–रावण संवाद।
  बिहारी – बिहारी सतसई, संपादक – जगन्नाथदास रत्नाकर, चयनित दोहा संख्या– 01, 11, 19, 20, 21, 25, 28, 31, 32, 36, 37, 38, 39, 41, 43, 51, 52, 57, 59, 60 (20 दोहे)
  घनानंद कवित्त – संपादक– विश्वनाथ–प्रसाद मिश्र (प्रारंभिक 25 पद)
  भूषण ग्रंथावली – संपादक– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (आरंभिक 25 पद)

इकाई–6

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल (काव्य) –

- आधुनिक काल की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि, भारतीय जागरण (रेनासां), भारतेंदु युग, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।
- द्विवेदी युग की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ। छायावाद – सीमांकन, नामकरण एवं परिवेश, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ। राष्ट्रीय काव्यधारा एवं प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि।
- प्रगतिवाद उदय के कारण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवि, प्रयोगवाद – प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं तारसप्तक के प्रमुख कवि।
- नई कविता, समकालीन कविता, विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।
- **रचनाएँ** – मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती से अतीत खंड एवं साकेत का नवम् सर्ग
  जयशंकर प्रसाद – कामायनी से चिंता, श्रद्धा एवं इड़ा सर्ग
  निराला – राम की शक्तिपूजा, बादल राग, जागो फिर एक बार (कविताएँ)
  दिनकर – परशुराम की प्रतीक्षा, कुरुक्षेत्र का सातवाँ सर्ग
  अज्ञेय – असाध्य वीणा, नदी के द्वीप (कविताएँ)
  केदारनाथ अग्रवाल– फूल नहीं रंग बोलते हैं (कविता संग्रह)
  दुष्यन्त कुमार – साए में धूप (गज़ल संग्रह)
  कुँवर नारायण – आत्मजयी (काव्य)
  नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, कालिदास सच–सच बतलाना (कविताएँ)।

इकाई–7

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल (गद्य) –

- हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास, भारतेंदुयुगीन गद्य की प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रचनाकार, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं सरस्वती पत्रिका का हिंदी गद्य के विकास में योगदान।
- स्वतंत्रता पूर्व के हिंदी गद्य साहित्य एवं स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं का विकास।
- हिंदी उपन्यास का उद्‌भव और विकास – गोदान (मुंशी प्रेमचंद), मानस का हंस (अमृतलाल नागर), बाणभट्‌ट की आत्मकथा (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), त्यागपत्र (जैनेन्द्र)।
  हिंदी कहानी का उद्‌भव और विकास – टोकरी भर मिट्‌टी (माधवराव सप्रे), उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), नशा (मुंशी प्रेमचंद), पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद), तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु), परिंदे (निर्मल वर्मा), वापसी (उषा प्रियंवदा), खोई हुई दिशाएँ (कमलेश्वर), कोसी का घटवार (शेखर जोशी), गदल (रांगेय राघव) ।
- हिंदी निबंध, ललित निबंध, नाटक और आलोचना का स्वरूप, उद्‌भव एवं विकास, प्रकार, प्रमुख निबंधकार, प्रमुख नाटककार एवं प्रमुख आलोचक। निबंध – आचरण की सभ्यता (सरदार पूर्ण सिंह), मेरी असफलताएँ (बाबू गुलाबराय), करुणा (आचार्य रामचंद्र शुक्ल), देवदारु (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), एक लंबी कविता का अंत (मुक्तिबोध), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (आचार्य विद्यानिवास मिश्र)

  आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना पद्धति, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्धति, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति, डॉ. नगेन्द्र की आलोचना पद्धति, अंधेर नगरी (भारतेंदु हरिश्चंद्र), चन्द्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद), लहरों के राजहंस (मोहन राकेश), अंधा युग (धर्मवीर भारती), कोणार्क (जगदीशचन्द्र माथुर)
  गद्य की अन्य विधाएँ – रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तांत, डायरी, रिपोर्ताज एवं पत्र साहित्य का स्वरूप, उद्‌भव एवं विकास एवं इन कथेतर गद्य विधाओं के प्रमुख रचनाकार। रचनाएँ – महादेवी वर्मा – पथ के साथी (संस्मरणात्मक रेखाचित्र), अज्ञेय–अरे यायावर रहेगा याद (यात्रा वृत्तांत)

इकाई–8

काव्यशास्त्र –

- भारतीय काव्यशास्त्र की अवधारणा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, शब्दशक्ति, रस संप्रदाय, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस के प्रमुख प्रकार।
- अलंकार सिद्धांत, अलंकारवादी आचार्य, अलंकारों के प्रमुख प्रकार, ध्वनि सिद्धांत।
- रीति सिद्धांत, काव्य के गुण एवं दोष, वक्रोक्ति सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत।
- पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – प्लेटो का काव्य सिद्धांत, अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत, लौंजाइनस का उदात्त सिद्धांत, विलियम वर्ड्‌स्वर्थ का काव्य भाषा सिद्धांत, कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त, टी. एस. इलियट का परम्परा का सिद्धान्त एवं निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त।
- स्वच्छंदतावाद, काव्य का अन्य कलाओं से संबंध, बिम्ब एवं प्रतीक। महाकाव्य, गीतिकाव्य, दृश्यकाव्य का स्वरूप।

इकाई–9

मध्यप्रदेश का हिंदी साहित्य

- मध्यप्रदेश का हिंदी साहित्य एवं प्रमुख रचनाकार।
- प्रमुख कवि – माखनलाल चतुर्वेदी (कैदी और कोकिला, बलि पंथी के लिए, पुष्प की अभिलाषा), सुभद्रा कुमारी चौहान (वीरों का कैसा हो वसंत, झाँसी की रानी, जलियाँ वाला बाग में वसंत), बालकृष्ण शर्मा नवीन (विप्लवगान, कुवि कुछ ऐसी तान सुनाओ), शिवमंगल सिंह 'सुमन' (तूफानों की ओर घुमा दो नाविक, मिट्टी की बारात, पर आँखें नहीं भरी), भवानी प्रसाद मिश्र (सतपुड़ा के घने जंगल, सन्नाटा, गीतफरोश), श्रीकृष्ण सरल (मैं फूल नहीं काँटे अनियारे लिखता हूँ, मैं अमर शहीदों का चारण, देश से प्यार, शहीद), मुक्तिबोध (कहने दो उन्हें जो यह कहते है, ब्रह्मराक्षस)।
- शरद जोशी के प्रतिनिधि व्यंग्य, रमेशचन्द्र शाह – अकेला मेला (डायरी)।
- मध्य प्रदेश की प्रमुख हिन्दी सेवी साहित्यिक संस्थाएँ – मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, निराला सृजन पीठ, मुक्तिबोध सृजनपीठ, प्रेमचंद सृजन पीठ, तुलसी अकादमी।

इकाई–10

लोक साहित्य एवं जनजातीय साहित्य –

- मध्यप्रदेश का लोक साहित्य – लोककथाएँ, लोकगीत, लोकगाथाएँ, लोक नाट्य, लोक कहावतें एवं प्रकीर्ण साहित्य।
- मालवा का लोक साहित्य प्रमुख कवि और रचनाएँ, निमाड़ी का लोक साहित्य, प्रमुख कवि और रचनाएँ।
- बुंदेलखंड का लोक साहित्य, प्रमुख कवि और रचनाएँ, बघेली का लोक साहित्य, प्रमुख कवि और रचनाएँ।
- लोक कलाओं के संरक्षण में शासकीय संस्थाओं की भूमिका।
- जनजातीय साहित्य के संरक्षण – संवर्द्धन में शासकीय संस्थाओं की भूमिका।

***